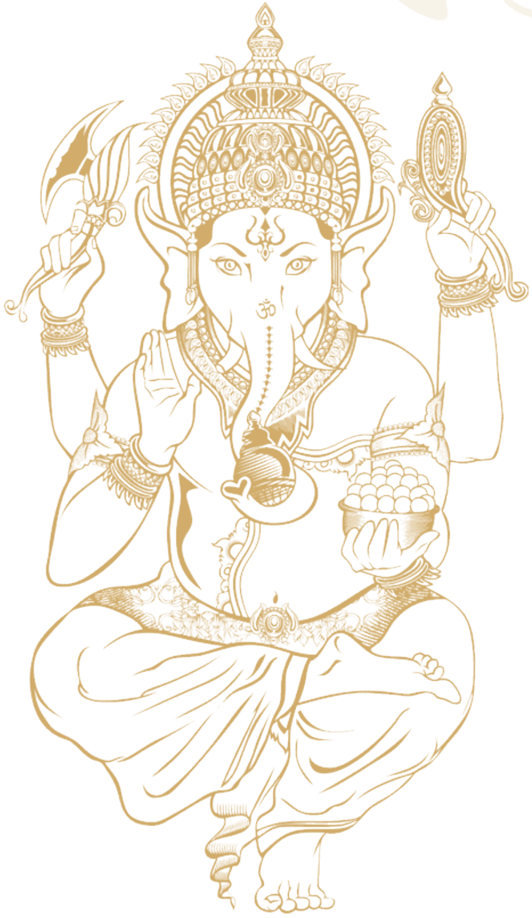

Ms.

29 Jan 2008

10:27 AM

Delhi

Model: Varshphal-2017

Order No: 121715401

तिथि 29/01/2008 **समय** 10:27:00 **वार** मंगलवार **स्थान** Delhi **चित्रपक्षीय अयनांश** : 23:58:21
अक्षांश 28:39:00 उत्तर **रेखांश** 77:13:00 पूर्व **मध्य रेखांश** 82:30:00 पूर्व **स्थानिक संस्कार** -00:21:08 घंटे

पंचांग		अवकहड़ा चक्र	
साम्पातिक काल	18:37:11 घं	गण	राक्षस
वेलान्तर	00:13:00 घं	योनि	व्याघ्र
सूर्योदय	07:11:27 घं	नाड़ी	मध्य
सूर्यास्त	17:57:09 घं	वर्ण	शूद्र
चैत्रादि संवत	2064	वश्य	मानव
शक संवत	1929	वर्ग	मृग
मास	माघ	युँजा	मध्य
पक्ष	कृष्ण	हंसक	वायु
तिथि	7	जन्म नामाक्षर	री-रीतिका
नक्षत्र	चित्रा	पाया(रा.-न.)	लौह-रजत
योग	शूल	होरा	बुध
करण	बव	चौघड़िया	चर

विंशोत्तरी		योगिनी	
मंगल 1वर्ष 6मा 18दि		मंगला 0वर्ष 2मा 19दि	
राहु		उल्का	
17/08/2009		19/04/2022	
17/08/2027		19/04/2028	
राहु	29/04/2012	उल्का	20/04/2023
गुरु	23/09/2014	सिद्धा	19/06/2024
शनि	30/07/2017	संकटा	19/10/2025
बुध	16/02/2020	मंगला	19/12/2025
केतु	06/03/2021	पिंगला	19/04/2026
शुक्र	05/03/2024	धान्या	19/10/2026
सूर्य	28/01/2025	भ्रामरी	19/06/2027
चन्द्र	30/07/2026	भद्रिका	19/04/2028
मंगल	17/08/2027		

ग्रह	व	अ	अंश	राशि	नक्षत्र	पद	स्वामी	अं.	स्थिति	षट्बल	चर	स्थिर	ग्रह तारा
लग्न			19:14:40	मीन	रेवती	1	बुध	केतु	---	0:00			
सूर्य			14:40:45	मक	श्रवण	2	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि	1.20	भ्रातृ	पितृ	अतिमित्र
चंद्र			03:42:55	तुला	चित्रा	4	मंगल	शुक्र	सम राशि	0.87	ज्ञाति	मातृ	जन्म
मंगल	व		00:07:28	मिथु	मृगशिरा	3	मंगल	बुध	शत्रु राशि	1.28	कलत्र	भ्रातृ	जन्म
बुध	व		29:53:42	मक	धनिष्ठा	2	मंगल	शनि	सम राशि	1.19	आत्मा	ज्ञाति	जन्म
गुरु			15:20:38	धनु	पूर्वाषाढ़ा	1	शुक्र	शुक्र	स्वराशि	1.19	अमात्य	धन	वध
शुक्र			12:00:42	धनु	मूल	4	केतु	बुध	सम राशि	0.82	पुत्र	कलत्र	साधक
शनि	व		13:09:56	सिंह	मघा	4	केतु	बुध	शत्रु राशि	1.00	मातृ	आयु	साधक
राहु			03:54:28	कुंभ	धनिष्ठा	4	मंगल	शुक्र	मित्र राशि		---	ज्ञान	जन्म
केतु			03:54:28	सिंह	मघा	2	केतु	चंद्र	शत्रु राशि		---	मोक्ष	साधक

लग्न-चलित

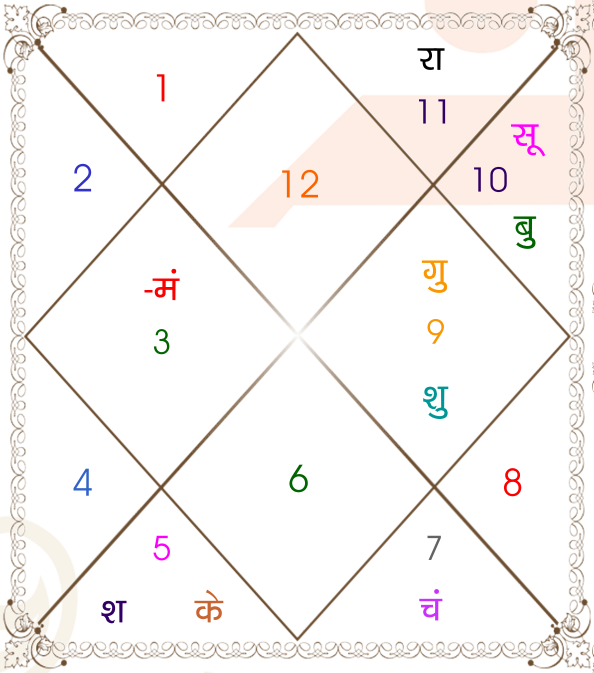

चन्द्र कुंडली

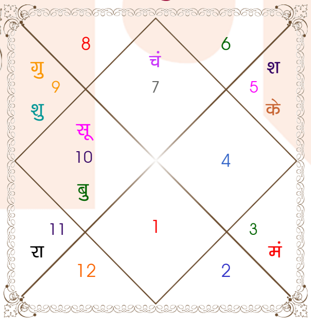

नवमांश कुंडली

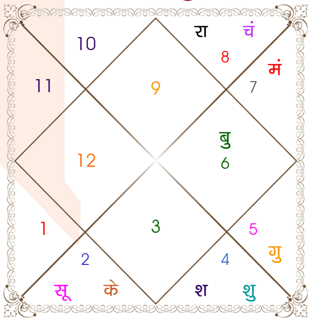

सर्वाष्टकवर्ग

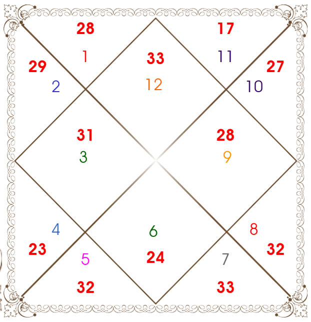

दशमांश कुंडली

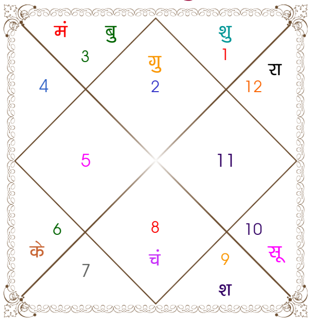

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक कष्ट की प्राप्ति करेंगे। इस समय आपकी मानसिक स्थिति भी दयनीय रहेगी तथा मन में संताप से व्याकुलता की प्रबलता रहेगी। साथ ही अन्य कई प्रकार से आपको दुःखों की प्राप्ति होगी। इस समय संतति या स्त्री से आपको कोई विशेष सुख एवं सहयोग नहीं मिलेगा तथा इनसे आपको कष्ट की ही प्राप्ति होगी साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके मान सम्मान में भी न्यूनता रहेगी तथा सभी लोग आपको उपहास का पात्र समझेंगे तथा छोटी छोटी बातों पर आपकी हंसी उड़ाएंगे। मित्र वर्ग से भी इस वर्ष आपको कोई सहयोग या लाभ नहीं मिलेगा। इस समय निम्न श्रेणी की महिलाओं से आपको अत्यधिक हानि तथा कष्ट प्राप्त होगा अतः प्रयत्नपूर्वक इनकी उपेक्षा करें तथा इनसे सावधान रहें।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं उत्पन्न होंगी तथा हानि की भी संभावना रहेगी। अतः आपको अत्यधिक परिश्रम करना पड़ेगा। साथ ही नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी अवन्नति की संभावना रहेगी अतः इस समय उच्चाधिकारी वर्ग या वरिष्ठ नेताओं की उपेक्षा न करें तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करें। आर्थिक स्थिति भी इस समय अच्छी नहीं रहेगी तथा समय समय पर आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। इस वर्ष में आप जो भी कार्य प्रारंभ करेंगे उनमें आपको असफलता ही प्राप्त होगी। अतः नवीन कार्यो को इस समय प्रारंभ न करें तथा धैर्य एवं शान्ति पूर्वक समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथाः-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आप शारीरिक अस्वस्थता से कष्ट की अनुभूति करेंगी। मानसिक रूप से भी इस समय शान्ति एवं सन्तुष्टि का अभाव रहेगा तथा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता रहेगी। इस वर्ष में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य परिश्रम से ही सम्पन्न होंगे तथा मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे । पारिवारिक सुख शान्ति तथा समृद्धि भी इस समय मध्यम रहेगी तथा पारिवारिक जनों के मध्य कलह एवं मतभेद विद्यमान रहेंगे। साथ ही संतति पक्ष से भी आप चिन्तित रहेंगी एवं उनसे आपको विशेष लाभ एवं सहयोग नहीं मिलेगा। मातृपक्ष या ससुराल इस वर्ष में आप किंचित मात्रा में लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगी । भौतिक सुख संसाधनों की भी आप परिश्रम पूर्वक प्राप्ति करेंगी लेकिन इनका उपभोग अल्प ही होगा। धर्म के प्रति आपके मन में सामान्य श्रद्धा रहेगी परन्तु धार्मिक कार्यो को आप अल्प ही सम्पन्न करेंगी।

व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र में उन्नति की दृष्टि से वर्ष संघर्ष पूर्ण रहेगा। इस समय व्यापार में समय समय पर समस्याएं उत्पन्न होगीं तथा हानि की भी संभावना रहेगी। साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे परन्तु स्वपराक्रम एवं परिश्रम से किंचित लाभ हो सकेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में भी आपकी उन्नति में बाधाएं आएंगी तथा विलम्ब होगा। साथ ही अधिकारी वर्ग या राजनेताऔं से आपके संबंध अच्छे नहीं रहेंगे जिससे इनसे आपको विशेष सहयोग नहीं मिलेगा। इसके अतिरिक्त समाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा आर्थिक स्थिति में भी विषमता रहेगी। अतः परिश्रम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने समय को व्यतीत करें।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा साथ ही मानसिक चिन्ता तथा अशान्ति भी विद्यमान रहेगी। इस वर्ष में आपका व्यय अधिक होगा तथा अन्यत्र भी हानि की संभावनाएं रहेंगी तथा लाभ अल्प रहेगा फलतः आर्थिक स्थिति में शिथिलता आएगी जिससे आपको यदा कदा धनाभाव की अनुभूति होगी तथा उससे आपको समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। धर्म के प्रति भी इस समय आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा धार्मिक प्रवृतियों की आप उपेक्षा ही करेंगी।साथ ही सतमित्रों के सहयोग में भी अल्पता रहेगी । अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग के प्रति भी आपके मन में विशेष मधुरता या स्नेह का भाव नहीं रहेगा फलतः इनसे भी आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा तथा यदा कदा आपको इस क्षेत्र में समस्याओं तथा व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति के क्षेत्र में इस समय उच्चाधिकारी तथा वरिष्ठ नेता आपसे असन्तुष्ट तथा अप्रसन्न रहेंगे फलतः उन्नति के मार्ग अवरूद्ध होंगे।व्यापार आदि कार्यो में भी इस वर्ष उन्नति या लाभ नहीं मिलेगा तथा कार्य क्षेत्र में आपको न्यूनता का आभास रहेगा अतः ऐसे समय में किसी नए कार्य को प्रारंभ नहीं करना चाहिए तथा अपने साझेदार या सहयोगियों से भी सतर्क रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त इस समय भूमि या जायदाद संबधी परेशानी भी हो सकती है अतः ऐसे समय में आपको धैर्य तथा संयम रखकर समय व्यतीत करना चाहिए।

अथ मुंथेशफलम्

वर्ष कुण्डली में मुंथा जिस राशि में स्थित हो उस राशि का स्वामी मुंथेश कहलाता है। यह वर्ष के पंचाधिकारियों में एक प्रमुख ग्रह होता है। अतः शुभभावस्थ मुंथेश के प्रभाव से जातक विशिष्ट परिस्थितियों में उत्तम लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहता है। यदि वर्ष प्रवेश के समय मुंथेश षष्ठ, अष्टम, द्वादश तथा चतुर्थ भाव में स्थित हो या अस्त, वक्री एवं पापग्रहों से युक्त हो अथवा क्रूर ग्रहों के स्थान से चतुर्थ या सप्तम स्थान में स्थित हो तो शुभ फलदायक न होकर अशुभफल, धनहानि या शरीर संबधी कष्ट प्रदान करता है। यथाः-

षष्ठेऽष्टमेन्त्ये भुवि वेन्थिहेशोऽस्तङगोऽथ वक्रोऽशुभदृष्टियुक्तः।
क्रूराच्चतुर्थास्तगतश्च भव्यो न स्याद्रुजं यच्छति वित्तनाशम्।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक कष्ट की आपको प्राप्ति होगी जिससे आपको परेशानी का सामना करना पड़ेगा। साथ ही मानसिक रूप से भी यदा कदा आप उद्विग्नता तथा अशान्ति की अनुभूति करेंगी। इस समय शत्रुपक्ष से आप चिन्तित तथा दुखी रहेंगी एवं आपके लिए समय समय पर वे अनावश्यक व्यवधान तथा समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः इनसे पूर्ण रूप से सावधान रहना चाहिए। इस वर्ष में आपकी सामाजिक मान प्रतिष्ठा भी मध्यम रहेगी तथा मिथ्यावाद के कारण सम्मान में कमी हो सकती है। मित्र एवं संबधियों से भी इस समय आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे तथा उनसे सुख एवं सहयोग अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगा। इसके साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में भी व्यवधान आएंगे तथा मानसिक संकल्प भी अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र में उन्नति के लिए भी वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा। इस समय व्यापार में समस्याएं रहेंगी फलतः लाभ एवं सफलता के मार्ग अवरुद्ध रहेंगे। साथ ही नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में विलम्ब तथा रुकावट उत्पन्न होगी। अतः ऐसे समय में सरकार तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सतर्क रहना चाहिए तथा उनकी आज्ञा का पूर्ण पालन करना चाहिए अन्यथा इनके द्वारा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न हो सकती है । इस वर्ष में वाहन सुख में भी अल्पता रहेगी तथा इससे किसी प्रकार की हानि भी हो सकती है। अतः संयम एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें तथा संघर्ष एवं परिश्रम करने में तत्पर रहें तभी आपको वांछित शुभ फल प्राप्त हो सकेंगे ।

प्रथम मास

29/01/2026 01:19:09 से 27/02/2026 17:35:05 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	विशाखा	21:29:43
सूर्य		मकर	श्रवण	14:40:45
चन्द्र		वृष	रोहिणी	19:34:28
मंगल		मकर	श्रवण	10:01:20
बुध		मकर	श्रवण	19:40:25
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	23:30:04
शुक्र		मकर	श्रवण	19:58:14
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	04:06:36
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	15:06:40
केतु	व	सिंह	पू०फाल्गुनी	15:06:40
मुंथा		कन्या	हस्त	19:14:40

मासाधिपति

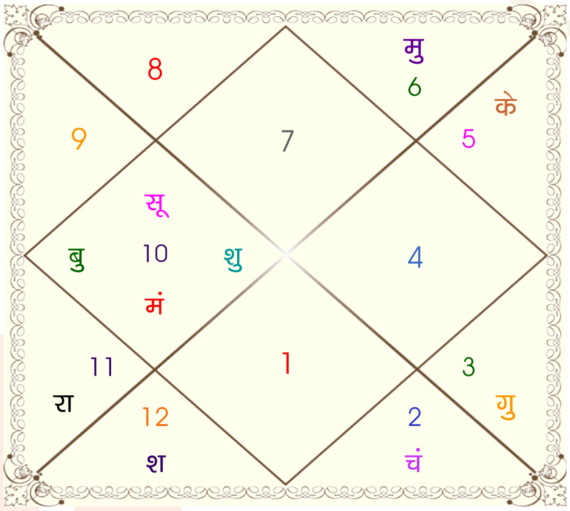

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त रहेगा। इस समय आप व्यय अधिक मात्रा में करेंगी तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी आपको प्राप्त होगी। साथ ही सामान्य रूप से शारीरिक अस्वस्थता के कारण भी आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो में अत्यंत परिश्रम तथा पराक्रम प्रदर्शित करने के बाद भी अल्पमात्रा में ही सफलता अर्जित कर सकेंगी। धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धाभाव नहीं रहेगा एवं अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि की सम्भावना हो सकती है। इस समय मित्रों एवं सम्बन्धियों के साथ परस्पर सम्बन्धों में तनाव भी हो सकता है। साथ ही नौकरी या व्यापारादि कार्यों में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी तथा शत्रुपक्ष से भी चिन्ता एवं भय नित्य बना रहेगा। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मात्रा में प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से बैचेन या असन्तुष्ट रहेंगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा नवीन वस्त्रों तथा आभूषण आदि से भी आप युक्त हो सकती हैं। अतः आपका यह मास सामान्य रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

27/02/2026 17:35:05 से 29/03/2026 19:51:55 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	मघा	05:51:58
सूर्य		कुम्भ	शतभिषा	14:40:45
चन्द्र		मिथुन	पुनर्वसु	23:58:36
मंगल		कुम्भ	धनिष्ठा	03:20:25
बुध	व	कुम्भ	पू०भाद्रपद	28:13:10
गुरु	व	मिथुन	पुनर्वसु	21:05:03
शुक्र		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:07:27
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	07:19:18
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:45:28
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:45:28
मुंथा		कन्या	हस्त	21:44:40

मासाधिपति : गुरु

मासाधिपति

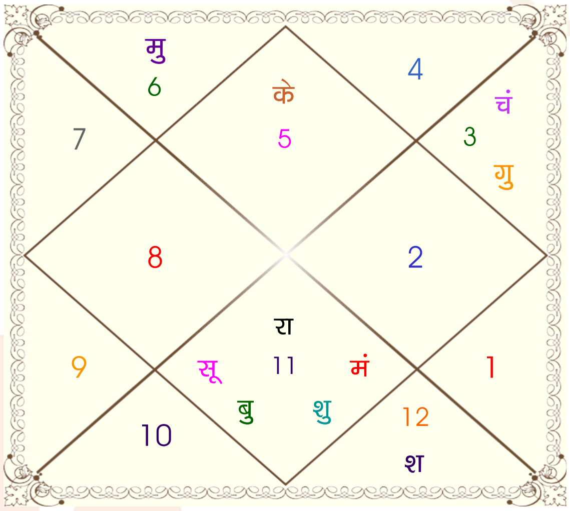

यह मास आपके लिए सुख एवं शान्ति प्रदान करने वाला होगा। इस समय आप अपने पूर्ण उत्साह से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज में भी आपके यश में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्र वर्ग में आप प्रतिष्ठा प्राप्त करेंगी एवं उनसे आपके मधुर सम्बन्ध स्थापित होंगे। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग का आपको संरक्षण प्राप्त होगा जिससे आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्य सिद्ध होंगे। साथ ही इनसे आपको उचित सहयोग भी प्राप्त होगा। इस समय आप मिष्ठान्न का उपभोग अधिक मात्रा में करेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक शक्ति में वृद्धि होगी। इस समय आप शत्रुओं को पराजित करने में भी सफल रहेंगी। अतः उनसे आप निश्चिन्त रहेंगी। पति से भी आपके मधुर सम्बन्ध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख अर्जित करेंगी। साथ ही व्यापार आदि कार्यों से भी आप धनार्जन करेंगी। इस प्रकार आपका सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्व व्यतीत होगा।

साथ ही इस मास में आप पुरुष वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभार्जन करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव उत्पन्न होगा तथा सम्पूर्ण मास प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा के भाव का प्रदर्शन करेंगी एवं समाज से पूर्ण यश तथा सम्मान अर्जित करके प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

तृतीय मास

29/03/2026 19:51:55 से 29/04/2026 10:31:29 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	01:48:33
सूर्य		मीन	उ०भाद्रपद	14:40:45
चन्द्र		सिंह	मघा	02:54:22
मंगल		कुम्भ	पू०भाद्रपद	27:00:47
बुध		कुम्भ	शतभिषा	17:36:23
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	21:24:27
शुक्र		मेष	अश्विनी	04:27:28
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	11:01:24
राहु		कुम्भ	शतभिषा	14:33:46
केतु		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:33:46
मुंथा		कन्या	चित्रा	24:14:40

मासाधिपति

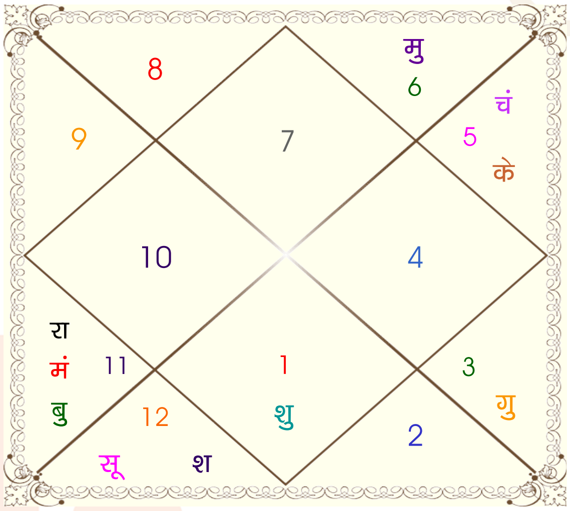

मासाधिपति : शुक्र

इस मास को आप मध्यम रूप से व्यतीत करेंगी अर्थात शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों के सम्पर्क में आएंगी जिससे आप धन हानि की संभावना रहेगी। शारीरिक रूप से भी आप पूर्ण स्वस्थ नहीं रहेंगी तथा निर्बलता की अनुभूति करेंगी। अपने महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने के लिए आप पूर्ण परिश्रम करेंगी फिर भी अल्प मात्रा में ही आपको सफलता मिलेगी। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। धर्म के प्रति आपके मन में उपेक्षा का ही भाव रहेगा साथ ही अन्य प्रकार से भी आपके धन हानि के योग बनेंगे। अपने मित्रों एवं सम्बन्धियों से आपके सम्बन्धों में तनाव रहेगा जिससे परस्पर उचित सहयोग प्राप्त करने में आप असमर्थ रहेंगी। आप अपने कार्य क्षेत्र में इस समय विध्न बाधाएं प्राप्त करेंगी तथा शत्रु पक्ष से भी नित्य भयभीत एवं चिन्तित रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके द्वारा किए गए अधिकांश कार्य इस मास अपूर्ण ही रहेंगे।

परन्तु इस समय अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे।अतः आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी तथा बुद्धि में भी निर्मलता के भाव में वृद्धि होगी जिससे धन लाभ भी अनूकूल होगा। इस प्रकार मध्यम रूप से आप सुखार्जन कर सकेंगी तथा समाज में कीर्ति प्राप्त करेंगी।

चतुर्थ मास

29/04/2026 10:31:29 से 30/05/2026 12:38:51 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मिथुन	पुनर्वसु	26:29:56
सूर्य		मेष	भरणी	14:40:45
चन्द्र		कन्या	हस्त	16:12:59
मंगल		मीन	रेवती	20:46:27
बुध		मीन	रेवती	28:27:06
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	24:26:31
शुक्र		वृष	रोहिणी	11:53:36
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:43:02
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	13:01:37
केतु	व	सिंह	मघा	13:01:37
मुंथा		कन्या	चित्रा	26:44:40

मासाधिपति : मंगल

मासाधिपति

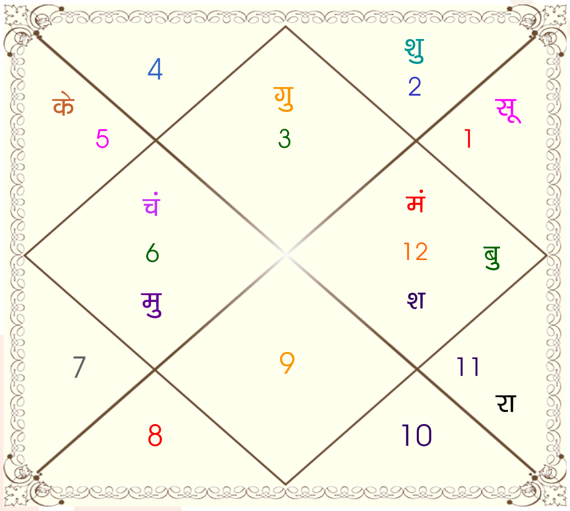

इस मास में आप शुभाशुभ फल प्राप्त करेंगी। इससे आपका स्वास्थ्य विशेष अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक दुर्बलता की भी आप अनुभूति करेंगी। साथ ही दुश्मनों से भी आप चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी जिससे मानसिक रूप से चिन्तित एवं अशान्त होंगी। इस समय पारिवारिक जनों से संबधों में विशेष मधुरता नहीं रहेगी तथा परस्पर मन मुटाव अधिक मात्रा में रहेगा। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय मन्दी आएगी तथा स्थान परिवर्तन के योग भी बन सकते है। साथ ही किसी कारण वश आपका कोई महत्वपूर्ण कार्य छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से आपके मधुर संबध अल्प ही रहेंगे तथा विवाद अधिक मात्रा में सम्पन्न होंगे जिससे समाजिक सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त शरीर में रोग अथवा अन्य प्रकार से धन हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी तथा अपनी तीव्र बुद्धि से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करने में समर्थ रहेंगी। धर्मानुपालन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा किसी धार्मिक कार्य कम का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी शुभ फल प्राप्त हो सकते है।

पंचम् मास

30/05/2026 12:38:51 से 30/06/2026 22:05:12 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:09:32
सूर्य		वृष	रोहिणी	14:40:45
चन्द्र		वृश्चिक	विशाखा	02:59:22
मंगल		मेष	भरणी	14:16:10
बुध		मिथुन	मृगशिरा	01:55:52
गुरु		मिथुन	पुनर्वसु	29:31:13
शुक्र		मिथुन	आर्द्रा	19:09:21
शनि		मीन	रेवती	17:52:17
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	09:46:09
केतु	व	सिंह	मघा	09:46:09
मुंथा		कन्या	चित्रा	29:14:40

मासाधिपति

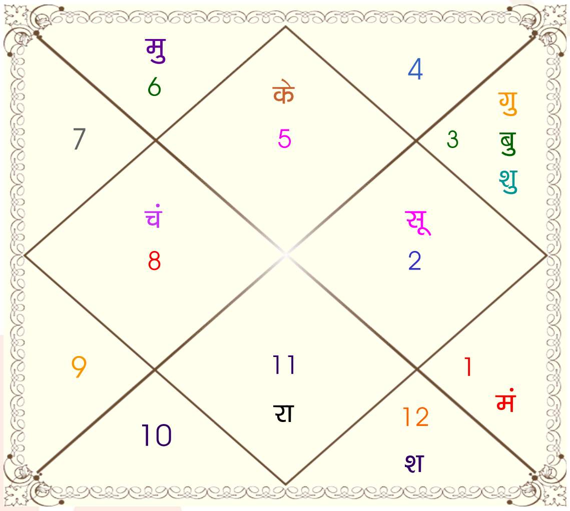

मासाधिपति : बुध

इस मास में आप शान्ति एवं सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी। अतः आप उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी।साथ ही समाज में आपकी मान एवं प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा इनसे आपके संबध भी मधुर रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपका शत्रु वर्ग भी इस समय आपसे पराजित एवं भयभीत रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यों में भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभर्जन होता रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं पुरूष वर्ग से आप उचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा की भावना रखेंगी तथा समाज में भी आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास

30/06/2026 22:05:12 से 01/08/2026 08:32:03 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कुम्भ	धनिष्ठा	00:57:06
सूर्य		मिथुन	आर्द्रा	14:40:45
चन्द्र		धनु	पूर्वाषाढ़ा	22:17:40
मंगल		वृष	कृतिका	07:06:34
बुध	व	कर्क	पुनर्वसु	01:59:33
गुरु		कर्क	पुष्य	05:51:58
शुक्र		कर्क	आश्लेषा	25:36:48
शनि		मीन	रेवती	19:56:38
राहु	व	कुम्भ	शतभिषा	06:40:41
केतु	व	सिंह	मघा	06:40:41
मुंथा		तुला	चित्रा	01:44:40

मासाधिपति

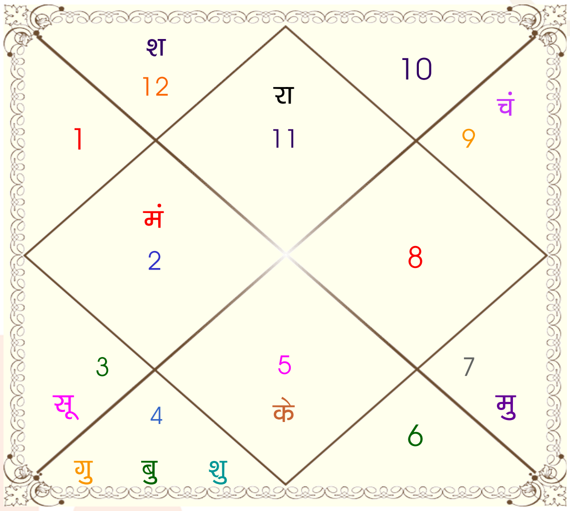

मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए अत्यंत ही सुख एवं सौभाग्य प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी जिससे आपकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ बनेगी। आपके उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य इस मास में यथा समय सिद्ध होंगे। इस समय आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकती है। संतति से भी आपको सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में आपकी कीर्ति दूर दूर तक फैलेगी तथा भाग्योदय संबधी कार्य यथा समय पूर्ण होंगे। आपकी बुद्धि भी इस समय निर्मल रहेगी तथा आप दूर समीप की किसी लाभदायक यात्रा को भी कर सकेंगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा परस्पर वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपनी बुद्धि के द्वारा प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगी। इस प्रकार आप विविध सुखों का उपभोग करेंगी तथा समाज में आपके यश में भी वृद्धि होगी।

सप्तम् मास
01/08/2026 08:32:03 से 01/09/2026 13:23:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		सिंह	पू०फाल्गुनी	20:21:18
सूर्य		कर्क	पुष्य	14:40:45
चन्द्र		कुम्भ	शतभिषा	13:32:01
मंगल		वृष	मृगशिरा	28:55:23
बुध		मिथुन	पुनर्वसु	25:23:30
गुरु		कर्क	पुष्य	12:45:31
शुक्र		सिंह	उ०फाल्गुनी	29:57:35
शनि	व	मीन	रेवती	20:29:42
राहु		कुम्भ	धनिष्ठा	05:35:27
केतु		सिंह	मघा	05:35:27
मुंथा		तुला	चित्रा	04:14:40

मासाधिपति

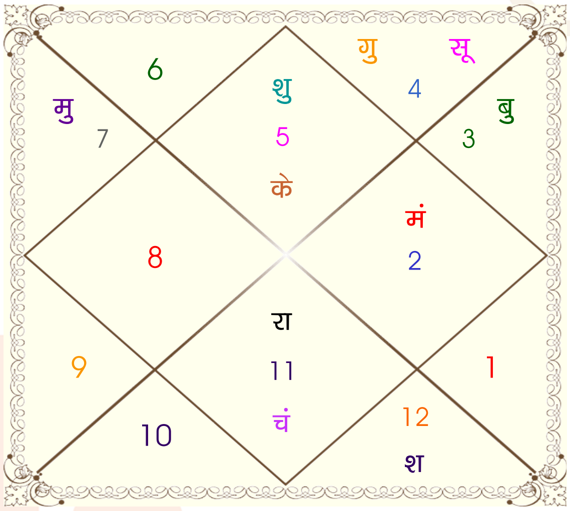

मासाधिपति : चन्द्र

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगी तथा अन्य प्रकार से भी सुखोपभोग करने में सफल सिद्ध होंगी। साथ ही समाज में भी आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान तथा सहयोग प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा नियम पूर्वक आप इनका पूजन तथा सत्कार करेंगी। अन्य लोगों की भलाई के लिए भी कार्यो को करने के लिए आप तत्पर रहेंगी। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय भी प्राप्त करेंगी जिससे आपके सामाजिक सम्मान में वृद्धि होगी। इस मास भाई बहिनों का आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा साथ ही आपसी संबध भी मधुरता से युक्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके मानसिक संकल्प भी इस समय में पूर्ण होंगे जिससे आप हृदय से प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगी। इसके अतिरिक्त आप नवीन वस्त्र द्रव्य या स्वर्णादि के आभूषणों को भी प्राप्त कर सकती है। अतः यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक सिद्ध होगा।

अष्टम् मास

01/09/2026 13:23:02 से 02/10/2026 07:42:08 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		वृश्चिक	ज्येष्ठा	19:59:49
सूर्य		सिंह	पू०फाल्गुनी	14:40:45
चन्द्र		मेष	अश्विनी	05:41:31
मंगल		मिथुन	आर्द्रा	19:22:12
बुध		सिंह	पू०फाल्गुनी	19:05:14
गुरु		कर्क	आश्लेषा	19:32:12
शुक्र		कन्या	चित्रा	29:12:05
शनि	व	मीन	रेवती	19:25:48
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	05:33:28
केतु	व	सिंह	मघा	05:33:28
मुंथा		तुला	स्वाति	06:44:40

मासाधिपति

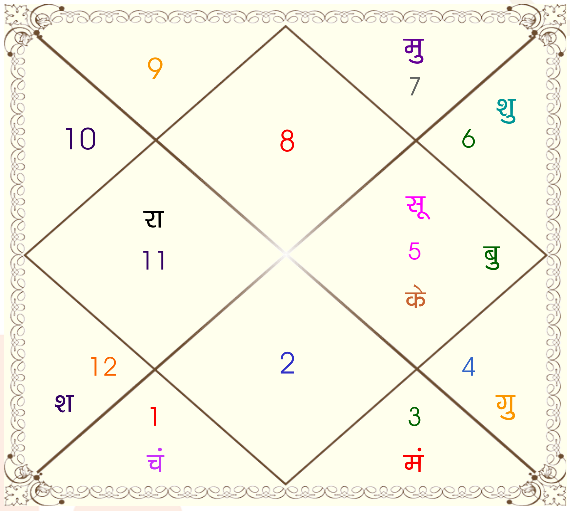

मासाधिपति : सूर्य

इस महीने में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका व्यय अधिक होगा तथा दुष्ट व्यक्तियों से आपका मेल जोल रहेगा जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगी ।साथ ही धनाभाव की समस्या भी उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा एवं मानसिक रूप से भी आप बैचेन तथा अशान्त रहेंगी। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यधिक परिश्रम के उपरान्त भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगे। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राहमणों का भी उचित पूजन तथा सम्मान नहीं करेंगी। साथ ही अन्य प्रकार से भी हानि के योग बन सकते है। इस मास में आपके मित्र तथा बन्धुवर्ग से अच्छे संबध नहीं रहेंगे तथा कार्य क्षेत्र में भी व्यवधान उत्पन्न होंगे। शत्रु पक्ष से भी आप इस समय चिन्तित एवं भयभीत रहेंगी तथा जिस कार्य को भी आप प्रारंभ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। फलतः कष्ट पूर्वक आप इस मास को व्यतीत करेंगी।

परन्तु इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इस समय पुरुष वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करेंगी तथा आपकी बुद्धि भी निर्मल होगी। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी आप इस मास में कर सकेंगी।

नवम् मास

02/10/2026 07:42:08 से 01/11/2026 13:34:06 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		तुला	चित्रा	02:59:28
सूर्य		कन्या	हस्त	14:40:45
चन्द्र		वृष	मृगशिरा	25:15:56
मंगल		कर्क	पुष्य	08:05:26
बुध		तुला	स्वाति	07:52:49
गुरु		कर्क	आश्लेषा	25:33:11
शुक्र		तुला	स्वाति	14:13:47
शनि	व	मीन	रेवती	17:15:35
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	04:51:36
केतु	व	सिंह	मघा	04:51:36
मुंथा		तुला	स्वाति	09:14:40

मासाधिपति

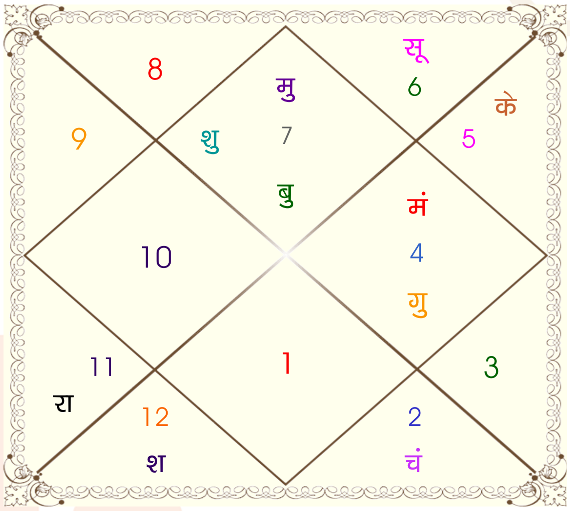

मासाधिपति : गुरु

इस महीने में आप सुख तथा शान्ति प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय शरीर से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगी एवं मन से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी। इस मास में आपके पराक्रम में वृद्धि होगी फलतः शत्रु आपसे भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके लाभ मार्ग भी नित्य प्रशस्त रहेंगे। इस समय आर्थिक स्थिति पूर्णरूप से सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त अन्य स्त्रोतों से भी आप लाभ अर्जित करती रहेंगी। इस समय आपके भाग्योदय संबधी कार्य भी सफल होंगे तथा विलम्बित शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी सफलता अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। अपने मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके घनिष्ठ संबध रहेंगे तथा उनसे पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपके सांसारिक कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे जिससे आपको हार्दिक प्रसन्नता प्राप्त होगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेगा तथा इनसे आपको वांछित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा।

साथ ही इस मास में आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा इनकी ओर से निश्चिन्त रहेंगी। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र तथा वस्तुओं को प्राप्त करने में भी सफल हो सकेंगी। अतः यह मास आपके लिए सौभाग्यशाली रहेगा।

दशम् मास

01/11/2026 13:34:06 से 01/12/2026 08:24:23 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		मकर	धनिष्ठा	23:27:51
सूर्य		तुला	स्वाति	14:40:45
चन्द्र		कर्क	पुष्य	07:58:30
मंगल		कर्क	आश्लेषा	24:33:24
बुध	व	तुला	विशाखा	22:02:56
गुरु		सिंह	मघा	00:07:47
शुक्र	व	तुला	चित्रा	01:50:51
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	15:01:52
राहु	व	कुम्भ	धनिष्ठा	02:41:52
केतु	व	सिंह	मघा	02:41:52
मुंथा		तुला	स्वाति	11:44:40

मासाधिपति

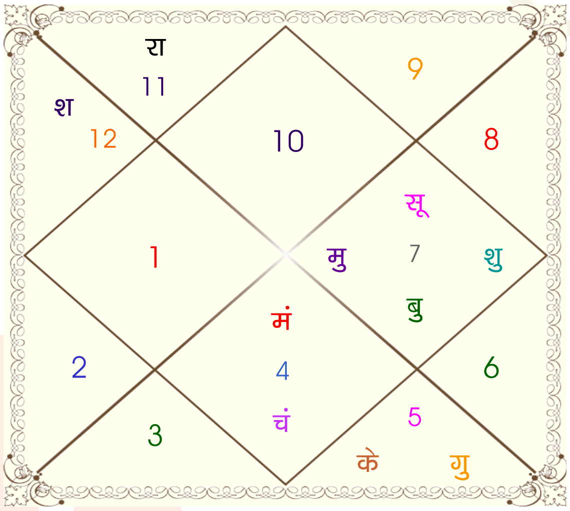

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अपने कार्यक्षेत्र में मनोवांछित सफलता प्राप्त करेंगी साथ ही इसमें आपको लाभ तथा उन्नति भी मिलेगी। इस समय आपके उच्चाधिकारी वर्ग आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। अतः आपके शुभ एवं महत्पूर्ण कार्य अल्प समय में सिद्ध होते रहेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी एवं उनकी भलाई के कार्यो में भी तत्पर रहेंगी। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न रहेंगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप श्रद्धा का भाव रखेंगी तथा विधिपूर्वक इनकी पूजा तथा सेवा करने में तत्पर रहेंगी। इस मास में समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे। इसके अतिरिक्त अन्य साधनों से भी आप धन अर्जित करेंगी तथा आपकी अपूर्ण इच्छाएं भी इस समय पूर्ण होंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि भी निर्मल रहेगी एवं धर्म के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

एकादश मास
01/12/2026 08:24:23 से 30/12/2026 20:25:49 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		धनु	मूल	03:07:11
सूर्य		वृश्चिक	अनुराधा	14:40:45
चन्द्र		सिंह	मघा	12:59:31
मंगल		सिंह	मघा	07:44:36
बुध		तुला	विशाखा	27:59:08
गुरु		सिंह	मघा	02:33:29
शुक्र		तुला	चित्रा	03:49:54
शनि	व	मीन	उ०भाद्रपद	13:47:03
राहु		मकर	धनिष्ठा	29:36:57
केतु		कर्क	आश्लेषा	29:36:57
मुंथा		तुला	स्वाति	14:14:40

मासाधिपति

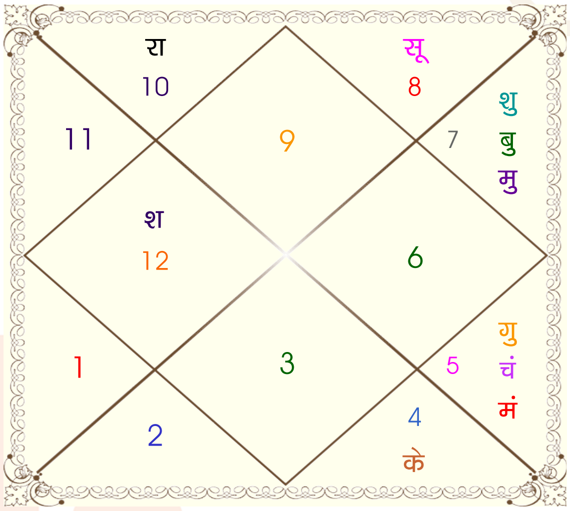

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप शुभ फल प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा आनन्दपूर्वक इसे व्यतीत करेंगी। इस समय पुरूष वर्ग से आप पूर्ण लाभ अर्जित करेंगी तथा सौभाग्य से युक्त होकर अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यो को सम्पन्न करेंगी। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त होगा तथा वे आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उतम रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति भी आप रूचिशील रहेंगी एवं इसमें सफलता प्रप्त करेंगी। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। साथ ही आपको इच्छित द्रव्यों की भी प्राप्ति होंगी। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुखी रहेंगी एवं उनसे पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी। इस मास में समाज में आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस समय आप पति तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग अर्जित करेंगी। इस मास में आपको नवीन वस्त्रों या स्वर्णादि के आभूषणों की प्राप्ति भी हो सकेगी। अतः सुख पूर्वक आपका यह समय व्यतीत होगा।

द्वादश मास
30/12/2026 20:25:49 से 29/01/2027 07:30:02 तक

ग्रह	व	राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न		कर्क	आश्लेषा	22:27:34
सूर्य		धनु	पूर्वाषाढ़ा	14:40:45
चन्द्र		कन्या	हस्त	12:38:26
मंगल		सिंह	पू०फाल्गुनी	15:27:57
बुध		धनु	पूर्वाषाढ़ा	13:27:38
गुरु	व	सिंह	मघा	02:17:09
शुक्र		तुला	विशाखा	27:52:58
शनि		मीन	उ०भाद्रपद	14:02:40
राहु		मकर	धनिष्ठा	27:13:47
केतु		कर्क	आश्लेषा	27:13:47
मुंथा		तुला	स्वाति	16:44:40

मासाधिपति

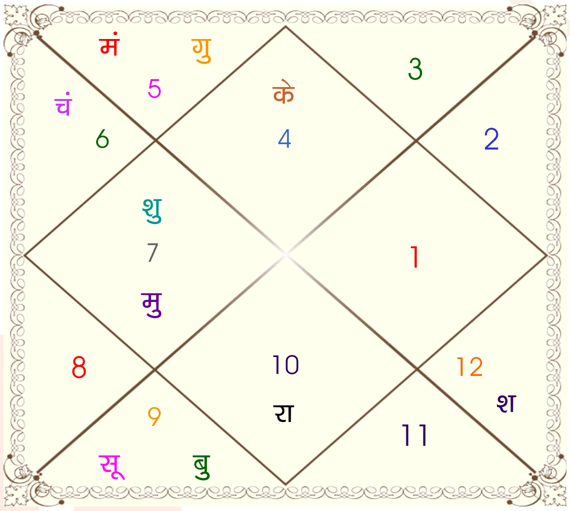

मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अशुभ फल ही अधिक प्राप्त करेंगी तथा शुभ फल अल्प मात्रा में होंगे। इस समय आप शरीर से अस्वस्थ रहेंगी तथा विविध प्रकार से कष्ट प्राप्त करेंगी। साथ ही आपके शत्रु बलवान रहेंगे तथा आपके लिए अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न करेंगे तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगी। अतः मन से भी आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगी। इस समय आपके व्यापार में न्यूनता आएगी तथा नौकरी आदि में समस्याएं उत्पन्न होंगी। आपके कार्य क्षेत्र में इस समय परिवर्तन हो सकता है या आपका कोई कार्य छूट भी सकता है। साथ ही अन्य सामाजिक तथा पारिवारिक जनों से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे तथा परस्पर विवाद तथा वैमनस्य का भाव विद्यमान रहेगा। इससे समाज में आपके सम्मान में न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी तथा शरीर में कोई नवीन रोग उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करेंगी तथा अपनी बुद्धिमता तथा चतुराई से धनार्जन एवं सुख संसाधनों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। साथ ही धर्म के प्रति भी आप श्रद्धालु रहेंगी एवं समाज में यथोचित सम्मान तथा आदर प्राप्त करने में न्यूनाधिक मात्रा में सफल हो सकेंगी।